an>

Title: Regarding atrocity on Punjabi students in University of Hyderabad in Telangana.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : मैडम, मैं आपके माध्यम से बहुत ही गंभीर और दुखद घटना सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं।

कल समाचार पत्रों में एक ऐसी इंसीडेंट सामने आई है, जिसमें मेरे गांव के साथ का, पटियाला जिले का एक लड़का हैदराबाद यूनिवर्सिटी में पढ़ता था, उससे यह कहकर मार-पीट की गयी कि वह कश्मीरी है। यह देखकर बहुत दुख हुआ। हम यह समझते हैं कि अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि देशों में गलत पहचान से घृणा की घटनाएं हुई तो हमारी सरकार ने उसका नोटिस लिया। अब हमारे देश में सिखों की कोई पहचान न कर पाए, जिस देश की खूबसूरती है अलग-अलग धर्म और अलग-अलग सभ्याचार हैं, जो देश सिखों के गुरू, गुरू तेग बहादुर साहब की शहादत के कारण बचा हुआ है, जिनको हिन्द की चादर कहा जाता है। उनके सिखों को इस देश में कोई पहचान न पाए और कश्मीरी समझकर उनकी पिटाई की जाए? भोपाल में भी ऐसी ही एक घटना हुई। अगर गृह मंत्री जी यहां होते तो अच्छी बात होती, लेकिन मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कश्मीर जल ही रहा है। कश्मीर में आग लगाई गयी है, हम उसकी निन्दा करते हैं। वहां जो वायलेंस हुई है, उसकी हम जोरदार निन्दा करते हैं, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूं कि वह लॉ एंड ऑर्डर की प्राब्लम नहीं है, उसका कोई पोलिटिकल सोल्यूशन होना चाहिए।

मैडम, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यदि हैदराबाद जैसी घटनाएं हो रही हैं तो क्या ये राष्ट्रविरोधी तत्व सारे देश को कश्मीर बनाना चाहते हैं? ये सारे देश को आग लगाना चाहते हैं। इनका नोटिस लेना चाहिए, इनको गंभीरता से लेना चाहिए और कोई कमटी बननी चाहिए। एक मैसेज जा रहा है कि माइनॉरिटीज पर हमला हो रहा है, यह नहीं होना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष:

श्री शरद त्रिपाठी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अरविंद सावंत,

श्री रोड़मल नागर एवं

श्री सुधीर गुप्ता को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।